Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ संकष्टी चतुर्थी चंद्र अर्घ्य विधि ॥

॥ ॐ गं गणपतये नमः ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ चंद्रोदय और अर्घ्य की तैयारी ॥

संकष्टी चतुर्थी में गणेश पूजन के बाद चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत खोलने की परंपरा है। चंद्रोदय का समय हर शहर और तारीख में बदलता है। स्थानीय पंचांग में संकष्टी के लिए दिया गया चंद्रोदय समय देखें।

ज़रूरी सामग्री

स्वच्छ जल का छोटा पात्र या लोटा, अर्घ्य ग्रहण करने के लिए थाली या सुरक्षित स्थान, और प्रसाद रखें। घर की रीति में जल में थोड़ा दूध या पुष्प मिलाया जाता हो तो अपनी परंपरा के अनुसार करें; सादा स्वच्छ जल भी पर्याप्त है।

सुरक्षित स्थान

चंद्रमा देखने के लिए खुली और सुरक्षित जगह चुनें। ऊँची छत या किनारे पर न जाएँ। अर्घ्य का जल इस तरह दें कि फर्श फिसलन भरा न हो और जल व्यर्थ न बहे।

गणेशजी की आरती और कथा के बाद चंद्र अर्घ्य के लिए तैयार रहें। बादल या भवन के कारण चंद्रमा न दिखे तो घर की परंपरा और स्थानीय पंचांग की सलाह से प्रतीकात्मक प्रार्थना की जा सकती है।

HarGharPanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ चंद्र अर्घ्य और व्रत समापन ॥

१. चंद्रमा का स्मरण

स्थानीय चंद्रोदय के बाद चंद्रमा के सामने शांत मन से खड़े हों। गणेशजी और चंद्रदेव का स्मरण करें। चंद्रमा दिखाई दे तो उसे देखकर प्रणाम करें; दृश्यता मौसम पर निर्भर हो सकती है।

२. जल अर्पित करें

पात्र से धीरे-धीरे जल अर्पित करें और अपने शब्दों में परिवार तथा सबके मंगल की प्रार्थना करें। परिवार में प्रचलित चंद्र मंत्र हो तो उसका जप करें। अर्घ्य के जल को स्वच्छ और सुरक्षित ढंग से समेटें।

३. प्रसाद और पारण

अर्घ्य के बाद गणेशजी को प्रणाम करें, प्रसाद ग्रहण करें और घर की रीति के अनुसार हल्का सात्त्विक भोजन लेकर व्रत खोलें। लंबे उपवास के बाद एकदम भारी भोजन से बचें और पर्याप्त पानी लें।

बीमारी, गर्भावस्था, मधुमेह या नियमित दवा की स्थिति में चंद्रोदय तक भोजन-पानी रोकना जोखिमपूर्ण हो सकता है। आवश्यक भोजन, पानी और चिकित्सा सलाह को प्राथमिकता दें।

॥ ॐ गं गणपतये नमः ॥